नवभारत, 13.2.20, पृ. 3

भरोसा बरकरार रखने प्रयत्नशील रहें बैंक : राष्ट्रपति

पुणे, सं. देश की आर्थिक व्यवस्था में बैंक के महत्व को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग नियम व कानून लागू किए गए हैं. सार्वजनिक पैसे के संरक्षक के तौर पर बैंक की जिम्मेदारी अहम है. बैंक पर जनता के भरोसे को बरकरार रखने के लिए बैंकों को सतत प्रयत्नशील रहना जरूरी है. उक्त सलाह देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दी.

पैसों का संरक्षण करना अहम जिम्मेदारी

■ राष्ट्रीय बैंक व्यवस्थापन संस्था के 'एनआयबीएम' स्वर्ण महोत्सव समारोह राष्ट्रपति की उपस्थिति में संपन्न हुआ. इस समय राष्ट्रपति की पत्नी सविता कोविंद, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, परिवहन तथा संसदीय कार्यमंत्री अनिल परब, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गवर्नर शक्तिकांत दास, नेशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेन्ट के संचालक डॉ. के. एल. धिंग्रा उपस्थित थे.

■ राष्ट्रपति ने कहा कि बैंक हमारी आर्थिक व्यवस्था की मजबूती के ज्योतक हैं. बैंकों को अपनी कार्यक्षमता के कारण लोगों का विश्वास व आदर प्राप्त किया है. देश की आर्थिक विकास को बढावा देने के लिए बैंकों ने उत्कृष्ट भूमिका निभाई है. आजादी के समय बैंकिंग जगत को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा था. परंतु आजादी के बाद बैंकिंग जगत की प्रगति संतोषजनक है. देश के अधिकांश गांवों में आज बैंकों की शाखाएं हैं.

■ रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियामक निरीक्षण ने भी बैंकिंग कार्यों में अधिक स्थिरता लाई है. नियामक के तौर पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की भूमिका व्यापक की गई है. इसके कारण अनियमितता पर रोक लगेगी व हमारी आर्थिक प्रणाली अधिक भरोसमेंद बनेगी. ऐसा विश्वास कोविंद ने जताया. राष्ट्रपति ने कहा कि क्षमता बढाने के लिए राष्ट्रीय बैंक व्यवस्थापन संस्था की 'एनआयबीएम' स्थापना रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया तथा बैंकों की दूरदृष्टि की द्योतक थी.

आर्थिक प्रवाह में दिव्यांगों को लाने के लिए प्रयत्न करें

■ बैंक व्यवस्थापन में संशोधन, प्रशिक्षण, शिक्षा व सलाह के लिए स्वायत्त शिखर संस्था के तौर पर इस संस्था की स्थापना की गई. इस संस्था के माध्यम से अधिकाधिक बैंकर्स प्रशिक्षित हैं. एनआयबीएम में बेहतर संशोधन सुविधा है. इन सुविधाओं का उपयोग गरीब घटकों के लिए आर्थिक उत्पादन तैयार करना जरूरी है.

■ देश की प्रगति गरीबों के सामूहिक आर्थिक सामर्थ्य के योगदान पर निर्भर हैं. इस समय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों एनआयबीएम संस्था के कार्यों की जानकारी वाली पुस्तिका, स्टांप टिकट का अनावरण तथा बोधचिन्ह का अनावरण किया गया. शक्तिकांत दास ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में राष्ट्रीय बैंक व्यवस्थापन संस्था का अहम योगदान है.